

सम्पादकीय

खाड़ी देशों के युद्ध के परिणाम और भारत की स्थिति

खाड़ी देशों के युद्ध के भयानक परिणाम न केवल संबंधित क्षेत्र के लोगों को, बल्कि दुनिया के सभी देशों के लोगों को भुगतने होंगे। यह प्रक्रिया बड़े स्तर पर शुरू भी हो चुकी है। अमरीका-इसराईल ने बिना किसी उकसावे या उचित कारण के ईरान पर हमला बोल दिया। युद्ध छेड़ने का बहाना बेशक ईरान के पास मौजूद परमाणु हथियारों के भंडारों से अमरीका-इसराईल को संभावित खतरे का बनाया गया है, पर अब न केवल दुनिया भर के लोगों, बल्कि अमरीका के भीतर राष्ट्रपति के करीबी मित्रों ने भी यह बात खुलेआम स्वीकार कर ली है कि ईरान से अमरीका को कोई खतरा नहीं था। सब जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने यह युद्ध अपने चहेते इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्तेजना भरी सलाहों से शुरू किया है। अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद ‘नाटो’ के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल-जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल-गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। युद्ध के कारण हजारों बेगुनाहों की मौतें (इनमें ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली सैकड़ों छोटी बच्चियां भी शामिल हैं), मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की भारी तबाही और पर्यावरण में फैल रहा जहर पूरी मानवता के लिए जी का जंजाल बनेगा। इस युद्ध ने दुनिया के सारे कायदे-कानून ताक पर रखकर किसी भी स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र (जैसे इराक और वेनेजुएला) पर हमला करके कब्जा करने की अमरीका की लालसा को भी उजागर किया है। इस युद्ध ने भारत की मोदी सरकार द्वारा अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ की गई रणनीतिक साझेदारियों के परिणामस्वरूप अपनाई गई वर्तमान विदेश नीति का दुनिया भर में दीवाला निकाल दिया है। भारत ने 2 सैन्य गुटों (‘नाटो’ और ‘वारसा’) से अलग रहकर गुटनिरपेक्ष देशों का साझा मंच खड़ा करने में बहुमूल्य योगदान दिया था। परंतु अब भारत ने डटकर ईरान के साथ खड़े होने की बजाय अमरीका-इसराईल युद्धबाज गुट का पक्ष लिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले समय में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों का ऐसा मजाक उड़या, जिसे कोई भी स्वामिमानो स्वतंत्र देश कदाई बदरश्त नहीं कर सकता। इससे दुनिया भर में भारतीय राजनेताओं की नुपुंसक राजनीति भी बेवर्दा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के इन अपमानजनक बयानों के खिलाफ अपनी जुबान से एक शब्द तक नहीं बोला। भारत के निर्मात्र पर नौसेना के अध्यास में हिस्सा लेने आए ईरान के समुद्री जहाज में सवार 97 सैनिकों को अमरीकी सेनाओं द्वारा हमला करके तब माा दिया गया, जब वे अपने देश ईरान वापस लौट रहे थे। अमरीका को इस अत्यंत निंदनीय कार्रवाई की निंदा करना तो दूर, भारत द्वारा सैनिकों की मौत पर शोक का औपचारिक प्रकटीकरण तक नहीं किया गया।

अमरीका के साथ मोदी सरकार की दोस्ती का ‘परिणाम’ भारत-अमरीका के बीच होने वाले ‘मुक्त व्यापार समझौते’ में भारत के लिए कई प्रतिकूल शर्तें स्वीकार किए जाने के भयानक नतीजे भारत के किसानों, छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्योगपतियों और व्यापारियों की तबाही के रूप में सामने आने वाले हैं। स्पष्ट है कि अमरीका अपने किसानों को भारी सबसिडी देकर तैयार की गई कृषि वस्तुएं जैसे मक्का, सोयाबीन का तेल, फल, सूखे मेवे आदि भारतीय बाजार में उतारकर हमारी किसानों को खेती से बाहर कर देने की तैयारियां किए बैठा है। हमारा देश साम्राज्यवादी गुलामी के ‘नव-उपनिवेशवादी’ दौर में पहुंचने जा रहा है, जहां सरकार तो भारतीय लोगों की ही होगी, परंतु आर्थिक नीतियां, व्यापारिक और राजनीतिक फैसले अमरीका की मंजूरी से ही लिए जाएंगे। इसकी ताजा मिसाल खाड़ी युद्ध के दौरान ऊर्जा की कमी के मद्देनजर अमरीका द्वारा बड़े अहंकारी ढंग से भारत को सिर्फ 30 दिनों के लिए रूस से तेल खरीदने की इजाजत दिए जाने से मिलती है। ड्ष्यचता इस बात की है कि भारत को साम्राज्यवादी देश अमरीका और इसके सांझेदारों द्वारा बनाए गए आर्थिक और राजनीतिक ‘चक्रव्यूह’ से बाहर निकलने के लिए हमें आजादी की एक और जंग लड़नी पड़ सकती है।

31 मार्च : इतिहास के पलों में

- 1774 भारत में डाक सेवा का पहला कार्यालय खुला।
- 1860 हिंदी के उत्कृष्ट लेखकों में से एक रामाशंकर व्यास का जन्म।
- 1865 भारत की प्रथम महिला डॉक्टर आनंदी गोपाल जोशी का जन्म।
- 1867 मुंबई में प्रार्थना समाज की स्थापना हुई थी।
- 1870 अमेरिका में पहली बार किसी अश्वेत नागरिक ने वोट दिया था।
- 1889 फ्रांस में एफिल टावर को ऑफिशियली खोल दिया गया था।
- 1921 रॉयल ऑस्ट्रेलिया एयर फोर्स की स्थापना हुई थी।
- 1959 बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा को तिब्बत से निर्वासन के बाद भारत में शरण दी गई थी।
- 1964 मुंबई में इलेक्ट्रिक ट्राम आखिरी बार चली थी।
- 1966 सोवियत रूस ने पहला चंद्रयान लूना 10 लांच किया था।
- 1979 माल्टा ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी।
- 2007 विश्व तेराकी चैंपियनशिप में माइकल फेलैप्स ने 6 गोल्ड मेडल हासिल किए थे।



डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद, महारानी
लक्ष्मीबाई कन्या
उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

नारी शक्ति वंदन अधिनियम - अब महिलाओं की आवाज भी सुनी जाएगी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना भारत में महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया गया है। सरल शब्दों में, यह कानून वादा करता है कि संसद और राज्य विधानसभाओं में लगभग एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। एक ऐसे देश के लिए, जहां महिलाएं जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा हैं लेकिन राजनीति में उनकी उपस्थिति अभी भी बहुत कम है, इस निर्णय को लंबे समय से प्रतीक्षित माना जा रहा था। इंदिरा गांधी के समय में भी, जो स्वयं दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिला नेताओं में से एक थीं, प्रतिनिधित्व के विचार पर अक्सर चर्चा होती थी लेकिन इसे कभी पूरी तरह लागू नहीं किया गया। वर्षों तक, महिला समूहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि जब तक महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में शामिल नहीं होंगी, तब तक उनके मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाएगा।

नया कानून उस असंतुलन को ठीक करने की कोशिश करता है। जब इसे लागू किया जाएगा, तो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं जैसे निकायों में बड़ी संख्या में महिलाएं प्रवेश करेंगी। इससे राजनीतिक चर्चाओं में एक नया दृष्टिकोण आ सकता है। महिला नेता अक्सर स्वास्थ्य सेवा, बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और परिवार कल्याण जैसे मुद्दों को रोजमर्रा के अनुभव से समझती हैं। उनकी उपस्थिति यह सुनिश्चित कर सकती है कि सरकारी नीतियों में इन मामलों पर अधिक ध्यान दिया जाए। लेकिन इस आरक्षण की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि राजनीतिक दल इसका उपयोग कैसे करते हैं। राजनीतिक दलों पर अभी भी उन उम्मीदवारों को चुनने की जिम्मेदारी होगी, जो आरक्षित सीटों से चुनाव लड़ेंगे। असली परीक्षा यहीं है। यदि पार्टियां केवल शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों की बेटियों, पत्नियों या बहनों को नामांकित करती हैं, तो वहीं पर कानून का उद्देश्य

विफल हो जाएगा। आरक्षण द्वारा महिलाओं को वास्तव में सशक्त बनाने के लिए पार्टियों को पारिवारिक संबंधों से परे देखना होगा। उन्हें विभिन्न पृष्ठभूमियों की सक्षम महिलाओं-शिक्षिकाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वकीलों, पेशेवरों, जमीनी स्तर की नेताओं और उन महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिन्होंने कई वर्षों तक अपने समुदायों के लिए काम किया है। भारत में प्रतिभाशाली और मेहनती महिलाओं की कमी नहीं है, जो सामाजिक समस्याओं को समझती हैं और सार्वजनिक जीवन में योगदान देना चाहती हैं। यदि इन महिलाओं को अवसर मिलता है, तो राजनीतिक व्यवस्था को उनके अनुभव और ईमानदारी से लाभ होगा। सरकार की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से लागू किया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व के अवसर और सहायता प्रणालियां भी नई महिला नेताओं को सार्वजनिक पद की जिम्मेदारियों को अधिक प्रभावी ढंग से संभालने में मदद कर

सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में, महिलाओं के अधिकारों और गरिमा की रक्षा के लिए कई कानून बनाए गए हैं। ये कानून आवश्यक और महत्वपूर्ण थे। साथ ही, ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां कुछ लोगों का मानना ​​है कि इन कानूनों का दुरुपयोग हुआ है। इस वजह से, समाज के कुछ वर्गों में यह भावना है कि किसी भी ऐसी व्यवस्था का, जो एक समूह को पक्ष लेती है, जिम्मेदारी के साथ उपयोग किया जाना चाहिए। यही सिद्धांत राजनीतिक आरक्षण पर भी लागू होता है। इस व्यवस्था के माध्यम से आने वाली महिला नेताओं पर एक विशेष जिम्मेदारी होगी। उन्हें अपने काम के माध्यम से यह साबित करना होगा कि इस अवसर का उपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है। नेतृत्व निष्पक्षता, परिपक्वता और अखंडता की मांग करता है। यदि महिला नेता व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ की बजाय जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करती हैं, तो सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा।

हजारों आत्मविश्वासी नेता बन गईं। उन्होंने विकास कार्य संभाले, सार्वजनिक सभाओं में बात की और अपने समुदायों के भीतर सम्मान अर्जित किया।

ये अनुभव बताते हैं कि जब महिलाओं को मौका दिया जाता है, तो उनमें से कई मजबूत और सक्षम नेताओं के रूप में उभरती हैं। भारतीय महिलाओं ने इस तरह के पल के लिए लंबा इंतजार किया है। यदि आरक्षण को ईमानदारी और सही भावना के साथ लागू किया जाता है, तो यह धीरे-धीरे देश की राजनीतिक व्यवस्था में अधिक संतुलन और समझ ला सकता है। यदि इसे केवल एक राजनीतिक व्यवस्था के रूप में माना गया, तो इसका प्रभाव सीमित रह सकता है। आरक्षण विधेयक की वास्तविक सफलता भरी गई सीटों की संख्या में नहीं, बल्कि उभरने वाले नेतृत्व की गुणवत्ता और उस आत्मविश्वास में दिखाई देगी, जो यह भारत भर की उन लाखों महिलाओं को देगा, जिन्हें उम्मीद है कि उनकी आवाज भी आखिरकार सुनी जाएगी।

युद्धोन्माद से गहराता वैश्विक ऊर्जा संकट

कहा जाता है कि जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था। वैसे ही दुश्य हाल में अमरीका में दिखा, जब मध्य पूर्व की जंग की आग में झुलसती दुनिया से बेपरवाह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प निवेशकों को संबोधित करने के बाद अपनी बालकनी में डॉस कर रहे थे। समझौता वार्ता जारी होने के दावों के बीच भी ट्रम्प द्वारा ईरान को धमकाना जारी है, तो इसराईल-अमरीका और ईरान के बीच जंग भी कमजोर तो हरगिज नहीं पड़ी। बदलते बयानों और दावों के पीछे का खेल तो ट्रम्प ही बेहतर जानते होंगे, पर युद्ध जिस तरह और अधिक आक्रामक हो रहा है, वह वैश्विक स्थिरता और शांति, खासकर ऊर्जा सुरक्षा के लिए चुनौतियों के और दुष्कर होने का ही संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों, खासकर तेल और गैस के लिए आयात पर ही ज्यादा निर्भर है। इसलिए संकट विकराल होना ही है। अब केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्ससाइज ड्यूटी में कटौती जैसी जो संवेदनशीलता दिखाई है, वैसे ईसराईल-अमरीका और ईरान युद्ध शुरू होने के सप्ताह भर में ही घरेलू सिलेंडर 55 रुपए और कर्मशियल सिलेंडर 115 रुपए महंगा करते समय नहीं दिखी।

पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर भीड़ अफवाह जनित आशंकाओं का भी परिणाम मान लें, तो रसोई गैस बुकिंग की अंतराल अवधि बढ़ाने, कर्मशियल गैस की आपूर्ति कम करने और हवाई किराए की अधिकतम सीमा हटाने जैसे सरकार के कई फैसले यही बता रहे हैं कि भारत ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। निजी तेल कंपनी निगरा एनर्जी ने तो दाम बढ़ा भी दिए हैं। अनुभव बताता है कि सरकारी तेल कंपनियां भी मूल्य वृद्धि के लिए 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न होने का ही इंतजार कर रही हैं। एल.पी.जी. उत्पादन बढ़ाने के दावे राहत देते हैं, पर सवाल अनुत्तरित है कि उत्पादन बढ़ाने की क्षमता थी तो उसके लिए संकटकाल की प्रतीक्षा क्यों? स्टैंट ऑफ होम्लुड बंद होने के बावजूद वहां से भारत के जहाजों का निकलना तथा ऊर्जा आपूर्ति स्रोतों का विस्तार राहतकारी है लेकिन खुशफहमी नहीं पालनी चाहिए कि इससे हम संभावित वैश्विक ऊर्जा संकट से बच जाएंगे। हमें आत्ममुग्धता से उबर कर चुनौतियों से निपटने की तैयारियां करनी चाहिए।

तेल और गैस आपूर्ति का संकट बहुआयामी है, जिसका असर छोटे उद्योगों से ले कर खाद्य सुरक्षा तक पड़ सकता है। मझोले और छोटे उद्योग बंद होने तथा परिणामस्वरूप प्रवासी श्रमिकों के पलायन की खबरें आने भी लगी हैं। इस सबसे नागरिकों का जीवन-यापन तो दुश्धार हो ही जाएगा, हमारी अर्थव्यवस्था और विकास दर पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ेगा। अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाले भारत के लिए संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं होना चाहिए। आपूर्ति स्रोतों के विस्तार के जरिए जरूरत के मुताबिक आयात सुनिश्चित भी कर लें तो सवाल है क्या डेढ़ गुनी या दो गुनी कीमत पर पेट्रोल-डीजल या रसोई गैस खरीदने की क्रय शक्ति हमारे



नागरिकों की है? डॉलर के मुकाबले हर रोज रसातल में जा रहा रुपया मुश्किलें बढ़ाएगा ही। ईरान और रूस से ही हमें डॉलर में भुगतान किए बिना कच्चे तेल के आयात की सुविधा मिलती रही है।

इस आसन्न संकट के लिए इसराईल-अमरीका और ईरान के अलावा शायद ही कोई और जिम्मेदार हो लेकिन प्रभाव से कोई देश बच नहीं पाएगा। इसीलिए जानकार इस संकट की तुलना 1973 और 1979 के ऐतिहासिक ऊर्जा संकट से कर रहे हैं। उन दोनों अभूतपूर्व ऊर्जा संकट के बीच भी मध्य-पूर्व में ही बोए गए थे। 6 अक्टूबर 1973 को मिस्र और सीरिया ने इसराईल पर हमला किया, जिसके बाद अमरीका ने इसराईल को सैन्य सहायता दी। अरब-इसराईल युद्ध में इसराईली सेना को पुनः आपूर्ति करने तथा युद्धोत्तर शांति वार्ता में लाभ प्राप्त करने की अमरीकी कवायद के प्रतिशोधस्वरूप ही पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ‘ओपेक’ के सदस्य अरब देशों ने अमरीका के विरुद्ध प्रतिबंध लगा दिए। अक्टूबर, 1973 से जनवरी, 1974 तक चले उस तेल संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतें 3 से 4 गुना तक बढ़ गई थीं, जिसका परिणाम ईंधन की कमी और आर्थिक मंदी के रूप में सामने आया था।

दूसरा वैश्विक ऊर्जा संकट ईरान में इस्लामिक क्रांति के चलते 1979 में उत्पन्न हुआ था, जब तेल उत्पादन में कमी आई। हालांकि उसके चलते वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में मात्र 4 प्रतिशत की ही कमी आई, लेकिन बाजार ने साल भर में कच्चे तेल की कीमतों में 2 गुना तक वृद्धि कर दी। 1980 में ईरान-ईराक युद्ध के चलते दोनों ही देशों के तेल उत्पादन में कमी आई, जिसका परिणाम वैश्विक

आर्थिक मंदी के रूप में सामने आया। उसके बाद ही वेनेजुएला, नाइजीरिया और मैक्सिको जैसे तेल निर्यातक देशों ने अपना उत्पादन बढ़ाया तथा सोवियत संघ बड़ा तेल उत्पादक बन कर उभरा।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के क्रमबद्ध तरीके से 400 मिलियन बैरल तेल जारी करने के फैसले से ऊर्जा संकट से निपटने में बड़ी मदद भले ही न मिले, लेकिन पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए उसके सुझाव उपयोगी साबित हो सकते हैं।

मसलन, यथासंभव वर्क फ्रॉम होम लागू किया जाए, निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल ज्यादा किया जाए, कार पूलिंग को बढ़ावा दिया जाए, हाइवे पर गाड़ियों की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटा घटाई जाए, खाना पकाने में बिजली से चलने वाले उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। दरअसल अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर भारत सरीखे देश में तो इन उपयोगों को जीवन शैली और कार्य संस्कृति का ही हिस्सा बनाए जाने की जरूरत है।

आज का मन्त्र

अं अंगारकाय नमः

श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।

विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

मो. 9755910000

॥ जय गणेश ॥



दैनिक राशिफल



मेष : आपको अपने किसी रिश्तेदार या करीबी से कोई शुभ समाचार मिल सकता है जिस कारण घर में खुशियाँ आएगी।



वृषभ : आज का दिन मंगलमय रहेगा व शत्रु भी आपसे प्रभावित होंगे। रुके हुए काम बन जायेंगे व व्यापार में भी लाभ मिलेगा।



मिथुन : आपका ज्यादातर समय अपने व्यापार और काम में ही बीतेगा। व्यापार की दृष्टि से अच्छा बीतेगा।



कर्क : निजी विचारों को छोड़कर अन्य विचारों को अपनाए। घर और परिवजनों के कार्य करते समय समाधानकारी व्यवहार अपनाए।



सिंह : आप आर्थिक जिम्मेदारियों के प्रति ध्यान देंगे तथा उसका आयोजन भी कर सकेंगे।



कन्या : आर्थिक लाभ होने की संभावनाएं हैं। आपका मन वैचारिक धरातल पर शांति का अनुभव करेगा।



तुला : आर्थिक आयोजन प्रारंभ में कुछ अड़चन के साथ पूर्ण होते हुए लगेगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।



वृश्चिक : मित्रों-शुभेच्छकों के मिलन से आपको आनंद होगा। खर्च अधिक न हो इसका ध्यान रखें।



धनु : दिन आपके लिए लाभकारी है। नौकरी और व्यापार में भी लाभ के संकेत हैं।



मकर : व्यापार के क्षेत्र में लाभ होगा। उच्च अधिकारियों पर आपके कार्य का सकारात्मक असर होने से आप प्रसन्न रहेंगे।



कुंभ : कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। अपना काम आत्मविश्वास के साथ संपन्न करेंगे।



मीन : मित्रों के साथ पार्टी या पिकनिक में समय बहुत अच्छी तरह से बीतेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

✍ **आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'**

(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्म और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)

9755910000

www.jyotishvastu.com

कलेक्टर श्री सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली

नागरिकों द्वारा एम.पी. ई-सेवा ऐप में समग्र आईडी दर्ज करने पर उन्हें पात्रता अनुसार शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त होगी : कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय स्थित सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम अंतर्गत सेवा प्रदायगी को समयसीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम अंतर्गत 39 प्रकरणों में समय सीमा में सेवाएं प्रदान नहीं करने पर कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त 39 प्रकरणों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अधिनियम अंतर्गत निर्धारित पेनल्टी लगाने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्व अधिकारियों को राजस्व न्यायालय में 100 दिन से अधिक दिवस से लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

एम.पी ई-सेवा ऐप में 56 विभागों की 1700 से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नागरिकों की सुविधा के लिए एम.पी ई-सेवा ऐप की हेल्प डेस्क कलेक्टोरेट, नगर निगम और जिला पंचायत कार्यालयों में लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जानकारी दी कि नागरिकों द्वारा एम.पी ई-सेवा ऐप में समग्र आईडी दर्ज करने पर उन्हें पात्रता अनुसार शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त होगी। उक्त शासकीय योजनाओं का लाभ नागरिक पात्रता अनुसार एम.पी ई-सेवा ऐप के माध्यम से आवेदन कर प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि एम.पी ई-सेवा ऐप पोर्टल को नागरिकों के अनुकूल और सुलभ

बनाया गया है, जिससे नागरिक विभिन्न सरकारी सेवाओं और सूचनाओं को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। एम.पी ई-सेवा ऐप में 56 विभागों की 1700 से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

जिले में 197 उपार्जन केंद्रों पर उपार्जन 10 अप्रैल से किया जाएगा

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने रबी विपणन वर्ष 2026 के उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने गिरदावरी के डेटा से उपार्जन प्रक्रिया के पंजीयन का डेटा मिलान कर सभी पात्र कुषकों को उपार्जन का लाभ आसानी से प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन प्रक्रिया में अनुभाग के नोडल अधिकारियों को समयसीमा में उपार्जन केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण नहीं करने पर संबंधित नोडल अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन प्रक्रिया में संलग्न सभी अधिकारियों को कुषकों को उपार्जन संबंधित आवश्यक सूचनाएं समय पर प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में उपार्जन केंद्रों पर ग्रीष्म ऋतु दृष्टिगत किसानों की सुविधा के लिए छांव, पेयजल, अतिआवश्यक स्वास्थ्य सुविधा आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 1 लाख 25 हजार 492 कुषकों द्वारा पंजीयन



कराया गया है। जिले में 10 अप्रैल से 197 स्वीकृत उपार्जन केंद्रों पर उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन केंद्रों पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता है। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी कार्यालयीन समय में उपस्थित रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, एडीएम अत्यूंद सिंह गुर्जर और अपर कलेक्टर शाश्वत शर्मा को जिला कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। औचक निरीक्षण के दौरान कार्यालय के अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं पाए जाते हैं तो संबंधित विभाग प्रमुख के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री

सिंह ने एलडीएम को चेतावनी दी कि शासन की योजनाओं में स्वीकृति प्राप्त प्रकरणों में हितग्राहियों को 31 मार्च के पूर्व राशि जारी करना सुनिश्चित करें। सभी बैंकों से समन्वय कर एलडीएम राशि भुगतान करवाना सुनिश्चित करेंगे। लापरवाही करने पर कार्यवाही की जाएगी। एलडीएम को निर्देश दिए गए कि सीईओ जनपद और स्थानीय जन प्रतिनिधियों से समन्वय कर शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं में प्राप्त राशि का लाभ नागरिकों तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

नरवाई जलाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी- कलेक्टर श्री सिंह

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने

नरवाई प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने नागरिकों को नरवाई जलाने से होने वाली पर्यावरण क्षति और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता कम होने के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही नरवाई जलाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

एचपीवी निशुल्क टीकाकरण अभियान में 5 हजार से अधिक किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सभी अनुविभागीय अधिकारी अनुभागों में

जनपद सीईओ, ब्लाक मेडिकल ऑफिसर, सीडीपीओ से समन्वय कर निःशुल्क टीकाकरण अभियान में तेजी लाएं। निःशुल्क टीकाकरण अभियान में अभिभावकों को जागरूक करने के लिए स्थानीय विधायक, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, जनपद अध्यक्ष और सरपंचों से समन्वय कर सहयोग प्राप्त करें। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ताओं का दल बनाकर एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण अभियान में तेजी लाएं। हरी क्षेत्र में सीएमएचओ, महिला एवं बाल विकास अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी समन्वय कर अभियान में लक्ष्यानुसार प्रगति लाएं। अनुविभागीय अधिकारी अशासकीय

विद्यालयों के संचालकों से बैठक कर निःशुल्क टीकाकरण अभियान के फायदे के बारे में बीएमओ के माध्यम से संचालकों को अवगत कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के जमीनी अमले की तारीफ कर कहा कि उनसे सतत संवाद कर यह ज्ञात हुआ है कि शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने में आशा कार्यकर्ता, एनआरएलएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संपूर्ण निष्ठा और संवेदनशीलता से कार्य करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उन्हें प्रोत्साहित करें और जिम्मेदारी लें। बैठक में पशु पालन विभाग की समीक्षा कर नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में

किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने 1 अप्रैल तक लक्ष्यानुसार शत प्रतिशत बच्चों का शाला प्रवेश कक्षा 1 में सुनिश्चित करने के निर्देश डीपीसी अशोक त्रिपाठी को दिए। डीपीसी को सभी नवीन शाला प्रवेशी बच्चों का पंजीयन 1 अप्रैल तक ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए। कार्यों में लापरवाही बरतने पर वेतन रोकने की चेतावनी भी दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की गतिविधियों के केंद्र में पौधारोपण को रखें

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अभियान

अंतर्गत जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने, नदी, तालाब, बावड़ियों की साफ-सफाई के कार्य, भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और रिचार्ज पिट के निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी गतिविधियों के केंद्र में पौधारोपण को रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने समग्र ई-केवाईसी अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा कर सीईओ जनपद षष्टिया को उक्त कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और आगामी दिवसों में लक्ष्यानुसार कार्य ना करने पर निलंबित करने की चेतावनी भी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-ऑफिस के माध्यम से सभी फाईले भेजना सुनिश्चित करने के निर्देश सभी विभागों के अधिकारियों को दिए।

पंचक्रोशी यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 5 अप्रैल तक सुनिश्चित करें

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने गत दिवस किए गए पंचक्रोशी यात्रा मार्ग के भ्रमण के दौरान किए गए निर्देशों का पालन कर 5 अप्रैल के पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि 4 अप्रैल को भविष्य से भेंट कार्यक्रम अंतर्गत जिले के अधिकारी विद्यालयों में जाकर छात्रों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करेंगे। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री जन आकांक्षा पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट और एडीएम श्री गुर्जर, अपर कलेक्टर श्री शर्मा, सभी अनुविभागीय अधिकारी और सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

क्षत्रिय मराठा समाज का तली भंडार महाआरती के साथ सम्मान समारोह एवं महिला कार्यकारिणी को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

उज्जैन (राघवकीर्ति)। 24 खंबा महाकाल घाटी स्थित क्षत्रिय मराठा समाज की धर्मशाला में भगवान की तली भंडार महाआरती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे के नेतृत्व में श्री मल्हार मार्तंड मंदिर में तली भंडार महाआरती के साथ हुआ। महाआरती के पश्चात स्नेह मिलन, सम्मान समारोह एवं महिला कार्यकारिणी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विगत दिनों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने वाले सहयोगियों, कलाकारों एवं समाजजनों का सम्मान करना तथा समाज की महिला इकाई को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर समाज की नवनिर्भुक्त महिला मंडल कार्यकारिणी को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसमें अध्यक्ष के रूप में सुनयना पवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुलभा काटे, दीपा गावडे एवं निधि जाधव, उपाध्यक्ष कामिनी मोरे, ज्योति इंगले, प्रति कदम एवं ज्योति सपकाले, सचिव शैली इंगले, कोषाध्यक्ष सीमा



भोसले तथा सह सचिव सलोनी पवार एवं ईशानी इंगले को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नंलिनी करे, सोनाली जाधव, सीमा गायकवाड़, दमयंती चव्हाण, रीमा गायकवाड़, दीपा जाधव, गीता सातलकर, उज्ज्वल भोंडवे, रेखा गायकवाड़, अंजली भोसले, प्रियंका पवार, डॉ. कार्तिक कुंभकार, दिशा भोसले एवं सुप्रिया जाधव शामिल रहें।प्रतिभाशाली कलाकारों का सम्मान करते हुए सुनयना पवार, प्रति कदम, दिशा भोसले, ममता

खोयरे, जानवी खोयरे, लीना थोरात एवं सिया मोरे को पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं विशेष सहयोग हेतु समाज की उपाध्यक्ष अनीता शिंदे एवं शरद शितोले का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात श्री मल्हार मार्तंड देव को प्रसादी अर्पित कर समाजजनों को शीतल दूध-शरबत वितरित किया गया तथा सामूहिक भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस भोजन प्रसादी का संपूर्ण व्यय समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे द्वारा व्यक्तितान रूप से वहन किया गया।

कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण लनिंग लाइसेंस शिविर रहा, जिसमें समाज के सदस्यों के लिए टू-व्हीलर एवं फोर-व्हीलर के लनिंग लाइसेंस बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके तहत महिलाओं के लिए 150 रुपये एवं पुरुषों के लिए 550 रुपये का नाममात्र शुल्क निर्धारित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी समाज सचिव अनिल गावडे द्वारा दी गई, जबकि आभार प्रदर्शन महिला मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष निधि जाधव ने किया।

निगम मुख्यालय में हुआ सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान समारोह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नगर निगम परिवार में अपना सेवाकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों का नगर निगम द्वारा सेवानिवृत्त सम्मान समारोह सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में आयोजित करते हुए सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों का एमआईसी सदस्य डॉ योगेश्वरी राठौर, उपायुक्त मनोज मौय्य द्वारा शाल, शीफल, भगवत गीता, प्रशस्ति पत्र एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया एवं सेवानिवृत्ति के पश्चात स्वस्थ एवं सुखी जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर नगर निगम में दीर्घ एवं गौरवशाली सेवाकाल पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी रविंद्र पिता केवल राम त्रिवेदी सहायक वर्ग 3 राजस्व विभाग, श्री इब्राहिम पिता छोटिया श्रमिक शिल्प विभाग, श्रीमती फातमा पति कासिम सफाई संरक्षण स्वास्थ्य विभाग, सुरेंद्र राठौर ड्राइवर पीएचई विभाग का सम्मान किया गया।

संगठन कोई भी हो, सभी का मूल उद्देश्य कर्मचारी हित - श्री मंसूरी

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष एस.बी. सिंह ने राहुल चंदेरी को आगामी आदेश तक उज्जैन जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एम.आर. मंसूरी, संभागीय सचिव संजय सिसोदिया, संभागीय उपाध्यक्ष एल.एन. गहलोत और जिलाध्यक्ष एस.पी. अहिरवार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में चंदेरी का अभिर्नंदन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजेंद्र अहिरवार, वरिष्ठ कर्मचारी नेता कैलाश चंद्र रावत, स्थाना प्रभारी पंडित संजय



दिवटे, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हमीद खान, सलीम पारिख और सरफराज कुरैशी के मुख्य आतिथ्य में डी.एस. परमार, अंशुल चौधरी, राम सूर्यवंशी, गोपाल जायसवाल आदि की गरिमामय उपस्थिति में राहुल चंदेरी को माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संभागीय अध्यक्ष एम.आर. मंसूरी ने कहा कि संगठन कोई भी हो, सभी का मूल उद्देश्य कर्मचारी हित ही है। यदि इसी भावना की साथ सामूहिक प्रयास किए जाएं, तो सकारात्मक परिणाम निश्चित रूप से प्राप्त होते हैं। आभार प्रदर्शन अंशुल चौधरी ने किया।

भाजपा दौलतगंज मंडल में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ

उज्जैन (राघवकीर्ति)। भाजपा नगर द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भाजपा दौलतगंज मंडल में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। सोमवार को विभिन्न सत्रों में पार्टी के वरिष्ठ वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को विस्तृत प्रशिक्षण देकर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। भाजपा दौलतगंज मंडल अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के दौरान वक्ताओं ने भाजपा का इतिहास एवं विकास, वैचारिक अधिष्ठान, कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि, केंद्र सरकार की योजनाएं, कार्य पद्धति और कार्यकर्ता संभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यकर्ताओं को विस्तृत प्रशिक्षण दिया। शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए विधायक अनिल जैन कालुहेड्डा ने पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का मूल उद्देश्य राष्ट्र सेवा और जनकल्याण है। विधायक जैन ने इस उद्देश्य को कार्यकर्ताओं के समर्पण और सक्रियता से ही मजबूत करने पर जोर दिया।

विकसित भारत और युवा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गंभीर हैं, उनका फोकस अभ्युदय और सांस्कृतिक विकास पर है : श्री धाकड़

प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान पर होगा वैश्विक मंथन

उज्जैन में 3 से 5 अप्रैल को होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ‘महाकाल - द मास्टर ऑफ टाइम’

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में होंगे शामिल

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 3 अप्रैल को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ‘महाकाल - द मास्टर ऑफ टाइम’ के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। यह सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला में होगा। सम्मेलन का उद्घाटन उज्जैन स्थित तारामंडल परिसर में होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन, जो प्राचीन काल से समय गणना और खगोल विज्ञान की वैश्विक धुरी रही है, एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और बौद्धिक संगम का केंद्र बनेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय पर केंद्रित यह सम्मेलन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, खगोलविदों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के

विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में साइंस सेंटर का उद्घाटन भी किया जाएगा। साथ ही यूएवी एवं आरसी और सैटेलाइट मैकिंग विषयों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो युवाओं में तकनीकी कौशल, नवाचार क्षमता तथा अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करेंगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सह-आयोजक संस्थाओं में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, वीर भारत न्यास और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान कार्यक्रम की सह-आयोजक संस्थाएं हैं।

डोंगला का ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक महत्व

उज्जैन से लगभग 35

किलोमीटर दूर स्थित डोंगला प्राचीन काल से खगोल एवं ज्योतिषीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कर्क रेखा के यहां से गुजरने के कारण इसे काल गणना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सम्मेलन उज्जैन-डोंगला को वैश्विक मेरिडियन (मध्यान रेखा) के रूप में स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

इन प्रमुख विषयों पर होगा विचार-विमर्श

सम्मेलन में आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रमुख विषयों में विकसित भारत में स्पेस इकोनॉमी की भूमिका, खगोल विज्ञान, एस्ट्रोफिजिक्स एवं कॉस्मोलॉजी की नवीनतम तकनीक, भारतीय काल गणना पद्धति का वैज्ञानिक आधार, कालचक्र की अवधारणा और स्पेस सेक्टर से जुड़ी रणनीतियां शामिल हैं।



शोधों का सम्मान किया। उद्घाटन सत्र में आईसीएसएसआर के अध्यक्ष प्रो. मधुकर एस पांडवी, संस्थान के निदेशक प्रो. यतींद्र सिसौदिया, सम्राट

विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, डी.एस.डब्ल्यू. प्रो. एस. के. मिश्रा आदि उपस्थित रहे। संगोष्ठी में

इमली-धनिया का पानी दूर करेगा मुंह‍ासे और झुर्रियां, ऐसे करें इस्तेमाल

त्वचा देखभाल की दुनिया में बेदाग, यूथ त्वचा की तलाश अक्सर हमें प्राकृतिक और व्यावसायिक दोनों तरह के विभिन्न उपचारों की खोज की ओर ले जाती है। ऐसा ही एक सदियों पुराना मिश्रण जिसने अपने त्वचा लाभों के लिए लोकप्रियता हासिल की है, वह है इमली-धनिया पानी, जो इमली और धनिये के बीज का मिश्रण है। हालांकि यह एक साधारण रसोई नुस्खा की तरह लग सकता है, लेकिन माना जाता है कि यह प्राकृतिक अमृत त्वचा के लिए कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है, जिनमें मुंह‍ासे से लड़ना, झुर्रियों को कम करना और महीन रेखाओं को कम करना शामिल है।

मुंह‍ासों को कम करता है

मुंह‍ासे त्वचा की एक सामान्य स्थिति है जिसमें दांने, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स होते हैं, जो कई लोगों के लिए निराशा का कारण हो सकता है। ऐसा कहा जाता है कि इमली-धनिया पानी में सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो इसे चिढ़ त्वचा को शांत करने और मुंह‍ासे से जुड़ी लालिमा को कम करने में प्रभावी बनाता है। इस मिश्रण में एक प्रमुख घटक इमली में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो पिंपल्स पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने और भविष्य में होने वाले मुंह‍ासों को रोकने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, धनिये के बीज का ठंडा प्रभाव सूजन वाली त्वचा

को शांत करने में मदद कर सकता है, जिससे पिंपल्स के उपचार में भी मदद मिलती है।

झुर्रियां कम करता है

झुर्रियां और महीन रेखाएं उम्र बढ़ने के प्राकृतिक लक्षण हैं जो धूप, धूम्रपान और तनाव जैसे कारकों से बढ़ सकते हैं। माना जाता है कि इमली-धनिया पानी में एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। इमली अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) से भरपूर होती है, जो अपने एक्सफोलिएंटिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एएचए मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने, सेल टर्नओवर को बढ़ावा देने और त्वचा की बनावट में सुधार करने में मदद करता है, अंततः झुर्रियों और



महीन रेखाओं की दृश्यता को कम करता है।

कोलेजन को बढ़ाता है

इमली और धनिये के बीज में विटामिन सी की

इस देश में होती है दुनिया

की सबसे तीखी मिर्च की

खेती, इसे खाना हर किसी

के बस की नहीं है बात

भारत में बहुत से लोग चटपटे खाने के शौकीन होते हैं, जिसमें मिर्च का बहुत बड़ा रोल होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे तीखी मिर्च कहाँ उगाई जाती है? खाने में स्वाद के लिए मिर्च अहम भूमिका निभाती है। कई लोग बहुत तीखा खाने के शौकीन होते हैं, लेकिन कम ही लोगों के मन में ये सवाल आता है कि दुनिया की सबसे तीखी मिर्च कौन सी होगी? दुनिया की सबसे तीखी मिर्च भारत में नहीं बल्कि यूनाइटेड किंगडम में उगाई जाती है, जिसका नाम ड्रेगनस ब्रेथ मिर्च है। ये इतनी तीखी होती है कि इसे कम तीखा खाने वाला व्यक्ति शायद ही खा पाए। यहाँ तक कि इस मिर्च को बिना ग्लस के न पकड़ने की भी सलाह दी जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस मिर्च का तीखापन लगभग 2.2 मिलियन स्कॉवील होता है।

इससे पहले साल 2007 में भारत के असम में उगाई जाने वाली भूत जोलकिया मिर्च को दुनिया में सबसे तीखी मिर्च का खिताब मिला हुआ था।

इस मिर्च का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। जांच में ये भी पाया गया है कि ये आम मिर्च से 400 गुना ज्यादा तीखी होती है।



मात्रा कोलेजन संश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोलेजन एक प्रोटीन है जो त्वचा को संरचना और लोच प्रदान करता है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, कोलेजन का उत्पादन कम हो

जाता है, जिससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं और त्वचा ढीली पड़ने लगती है। कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करके, इमली-धनिया पानी त्वचा को दृढ़ता और लोच बनाए रखने में मदद कर सकता है, जिससे उम्र बढ़ने के लक्षण कम हो जाते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें

इमली-धनिया पानी को अपनी स्किनकेयर रूटीन में शामिल करने के लिए आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले इमली और धनिये के

बीजों को थोड़ी मात्रा में रात भर पानी में भिगोकर रखें। अगले दिन, मिश्रण को छान लें और इसमें डाले गए पानी को टोनार या फेशियल मिस्ट के रूप में उपयोग करें। अतिरिक्त लाभ के लिए आप अन्य

त्वचा-अनुकूल सामग्री जैसे गुलाब जल या एलोवेरा जेल भी मिला सकते हैं।

जबकि इमली-धनिया पानी त्वचा को आशाजनक लाभ प्रदान करता है, यह याद रखना आवश्यक है कि व्यक्तिगत परिणाम भिन्न हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह आपकी त्वचा के लिए उपयुक्त है, किसी भी नए त्वचा देखभाल उत्पाद का उपयोग करने से पहले पैच परीक्षण करना हमेशा एक अच्छा विचार है। इसके अतिरिक्त, एक स्वस्थ त्वचा देखभाल दिनचर्या को बनाए रखना जिसमें सफाई, मॉइस्चराइजिंग और सूरज की सुरक्षा शामिल है, स्वस्थ, चमकती त्वचा को प्राप्त करने और बनाए रखने की कुंजी है।

निष्कर्ष

इमली-धनिया पानी मुंह‍ासों, झुर्रियों और महीन रेखाओं के लिए संभावित लाभ के साथ एक प्राकृतिक उपचार के रूप में उभरा है। इसके सूजन-रोधी और एंटीऑक्सिडेंट गुण इसे आपके त्वचा देखभाल भंडार में एक आशाजनक वृद्धि बनाते हैं। चाहे आप मुंह‍ासों से निपटना चाहते हों या उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करना चाहते हों, इस सरल लेकिन प्रभावी उपाय को अपनी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में शामिल करने से आपको अपनी चमकदार त्वचा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

संकटों को दूर करने के लिए आजमाएं नारियल के ये उपाय, नहीं होगी धन की कमी



धार्मिक अनुष्ठान में नारियल को शामिल न करने से पूजा अधूरी मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र में नारियल से जुड़े कई उपाय बताए गए हैं जिनका सकारात्मक असर इंसान के जीवन पर देखने को मिलता है। इन उपाय के द्वारा सभी तरह की परेशानी से छुटकारा मिलता है और कार्य में सफलता प्राप्त होती है। आइए जानते हैं नारियल के उपाय के बारे में।

नारियल का प्रयोग पूजा-पाठ और शुभ कार्य में किया जाता है। नारियल में त्रिदेवों का वास माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में नारियल से संबंधित उपायों के वर्णन किया गया है। ऐसा माना जाता है कि इन चमत्कारी उपायों के द्वारा इंसान को जीवन की कई तरह की परेशानियों से छुटकारा मिलता है। आइए जानते हैं नारियल के कौन-से उपाय जातक के लिए फलदायी साबित होते हैं।

नारियल के उपाय

अगर आप बिजनेस में किसी समस्या का सामना कर

रहे हैं, तो गुरुवार के दिन पीले कपड़े में नारियल को लपेट लें और उसपर जनेऊ रख कर श्री हरि को अर्पित करें। मान्यता कि इस उपाय को करने से व्यवसाय में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलता है और कार्य में सफलता प्राप्त होती है। इसके अलावा रोग को दूर करने के लिए नारियल का उपाय अधिक लाभकारी साबित होता है। नारियल को मंगलवार या शनिवार को रोगी के ऊपर से 21 बार बारकर किसी जगह पर रख दें। ऐसा माना जाता है कि इस टोटके को करने से सभी रोग दूर होते हैं। जीवन में आने वाले संकटो से छुटकारा पाने के लिए मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करें और उन्हें लाल चोला चढ़ाएं। इससे सभी संकट और रोग दूर होंगे। आर्थिक तंगी दूर करने के लिए शुक्रवार को लाल वस्त्र धारण कर मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा करें और प्रिय चीजों का भोग लगाएं। इसके बाद नारियल को लाल कपड़े में बांधकर मंदिर में रख दें। माना जाता है कि इससे आर्थिक तंगी खत्म होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

ये है दुनिया का सबसे अशांत देश, बाथरूम में रखी ये चीजें बढ़ाती हैं दरिद्रता, रोज होती है लोगों की हत्याएं घर में आती है नकारात्मक ऊर्जा



दुनियाभर में कई ऐसे देश हैं, जहां की स्थिति आज भी रहने लायक नहीं है। आज हम आपको दुनिया के उन देशों के बारे में बताएंगे, जहां पर रोज हत्याएं होती हैं और ये अंशांत देशों में सबसे आगे है।

बता दें कि इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की ओर से हर साल ग्लोबल पीस इंडेक्स रैंकिंग जारी की जाती है। IEP की ओर से हाल ही में जारी ग्लोबल पीस इंडेक्स 2023 के लिस्ट में विश्वभर के कुल 163 देशों को शामिल किया गया था। इस लिस्ट में सबसे शांत देश के रूप में आइसलैंड ने अपनी जगह बनाई है। इसके अलावा भी कई देश ऐसे हैं, जो शांत देश के रूप में अपनी जगह बनाए हैं। ग्लोबल पीस इंडेक्स रैंकिंग के मुताबिक विश्व का सबसे अशांत देश के रूप में अफगानिस्तान को रखा गया है। बता दें कि अफगानिस्तान को लगातार पांचवीं बार विश्व शांति सूचकांक में अंतिम स्थान प्राप्त हुआ है। अफगानिस्तान इनता अशांत देश है कि वहां हर रोज किसी ना किसी की हत्या होती रहती है। पिछले साल की एक रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में अच्छी स्वास्थ्य

व्यवस्था नहीं होने के कारण हर रोज वहां पर 167 बच्चों की मौत होती थी। इसके बाद 162वां नंबर पर यमन का नाम आता है। यमन में भी अशांति फैली हुई है और हर रोज कई लोगों की हत्या कर दी जाती है।

ग्लोबल पीस इंडेक्स रैंकिंग के 161वां नंबर के मुताबिक सीरिया सबसे अशांत देश है। सीरिया और इजरायल के युद्ध की वजह से भी सीरिया में स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती है। वहीं 160वां स्थान पर दक्षिण सूडान है, जहां की स्थिति भी अच्छी नहीं है। यहां हर रोज किसी ना किसी घटना में लोगों की मौत होती है। ग्लोबल पीस इंडेक्स 2023 में भारत को 126वां स्थान प्राप्त हुआ हुआ। बता दें कि ये पिछले वर्ष के मुकाबले भारत के लिए अच्छा था। क्योंकि पिछले वर्ष भारत को 135वां स्थान प्राप्त हुआ था। वहीं भारत के पड़ोसी देशों में भूटान को दुनियाभर में 17वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा पाकिस्तान को 146वां, बांग्लादेश को 88वां, नेपाल को 79, मालदीव को 23 एवं श्रीलंका को 107वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा म्यांमार को 145वां और चीन को 80वां स्थान अंशांत देशों के नाम पर मिला है।

बाथरूम में रखी ये चीजें बढ़ाती हैं दरिद्रता, घर में आती है नकारात्मक ऊर्जा



घर में वास्तु दोष हो तो घर के सदस्यों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी बाथरूम में रखी ये चीजें भी वास्तु दोष का कारण बनती हैं। जानते हैं इसके बारे में।

बाथरूम से जुड़े वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी हर एक चीज का असर व्यक्ति के जीवन पर जरूर पड़ता है। वास्तु के मुताबिक हर घर में रखी चीज में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा देती है। क्या आप जानते हैं कि आपके बाथरूम में कुछ ऐसी चीजें हो सकती हैं जो गरीबी का कारण बन सकती हैं।

बाथरूम, जहां हम स्वच्छता और ताजगी प्राप्त करते हैं, वहां भी कुछ चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकती हैं और हमारे जीवन में बाधाएं पैदा करती हैं। वास्तु के अनुसार बाथरूम में रखी कुछ चीजें घर में कगाली लाती हैं। जानते हैं इसके बारे में।

गीले कपड़े

बाथरूम में अगर भीगे कपड़े हों तो उन्हें धुलकर तुरंत घर से बाहर सूखने में डाल दें। बाथरूम में कभी भी गीले कपड़े नहीं छोड़ने चाहिए क्योंकि इनसे सूर्य दोष लगता है। गीले कपड़े घर में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। इन्हें बाथरूम में लटकाकर रखने से घर में नकारात्मकता और विवाद बढ़ते हैं।

पौधे

वास्तु के अनुसार, बाथरूम में पौधे नहीं रखने चाहिए। बाथरूम में रखे पौधे जल्दी खराब होते हैं और इनसे घर में वास्तुदोष बढ़ता है। पौधों को सूर्य के प्रकाश और ताजी हवा की आवश्यकता होती है, जो बाथरूम में हमेशा नहीं मिल पाती है। इसलिए, बाथरूम से पौधों को हटाकर उन्हें घर के अन्य हिस्सों में रखें जहां उन्हें पर्याप्त रोशनी और हवा मिल सके।

वाराणसी के काल भैरव मंदिर में करें यह एक काम

बढ़ल जाएगी आपकी किस्मत

वाराणसी के काल भैरव मंदिर के बारे में ऐसा बताया जाता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने के साथ काल भैरव मंदिर के दर्शन न करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। मान्यता के अनुसार काल भैरव मंदिर में दीपक जलाने से गृह क्लेश की समस्या खत्म होती है। आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में विस्तार से।

सनातन धर्म में काल भैरव की पूजा का विशेष महत्व है।

वाराणसी का काल भैरव मंदिर अधिक प्रसिद्ध है। कालाष्टमी का पर्व काल भैरव को समर्पित है। सनातन धर्म में काल भैरव को तंत्र-मंत्र का देवता माना गया है। यह भगवान शिव का रौद्र स्वरूप हैं। धार्मिक मान्यता है कि विधिपूर्वक काल भैरव की पूजा-अर्चना करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही भगवान काल भैरव प्रसन्न होते हैं। देश में काल भैरव को समर्पित ऐसे कई मंदिर हैं, जो अपने रहस्य की वजह से अधिक प्रसिद्ध हैं। ऐसा ही एक मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी में है, जहां काल भैरव की विशेष उपासना की जाती है।

प्रसाद में चढ़ता है मदिरा

काल भैरव मंदिर से जुड़ी कई

इन् बातों को करें फॉलो

- पौधों को सुबह जल्दी या शाम को पानी दें, जब तापमान कम होता है।
- पौधों की पत्तियों पर पानी डालने से बचें, क्योंकि इससे फंगल रोग हो सकते हैं।
- मिट्टी में अपनी उंगली डालकर देखें कि मिट्टी सूखी है या नहीं।
- यदि मिट्टी की पहली इंच सूखी है, तो पानी देने का समय हो गया है।
- अधिक पानी देने से बचें, क्योंकि इससे जड़ सड़न हो सकती है।

वाराणसी के काल भैरव मंदिर में करें यह एक काम बढ़ल जाएगी आपकी किस्मत

वाराणसी के काल भैरव मंदिर के बारे में ऐसा बताया जाता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने के साथ काल भैरव मंदिर के दर्शन न करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। मान्यता के अनुसार काल भैरव मंदिर में दीपक जलाने से गृह क्लेश की समस्या खत्म होती है। आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में विस्तार से।

सनातन धर्म में काल भैरव की पूजा का विशेष महत्व है।

वाराणसी का काल भैरव मंदिर अधिक प्रसिद्ध है। कालाष्टमी का पर्व काल भैरव को समर्पित है। सनातन धर्म में काल भैरव को तंत्र-मंत्र का देवता माना गया है। यह भगवान शिव का रौद्र स्वरूप हैं। धार्मिक मान्यता है कि विधिपूर्वक काल भैरव की पूजा-अर्चना करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही भगवान काल भैरव प्रसन्न होते हैं। देश में काल भैरव को समर्पित ऐसे कई मंदिर हैं, जो अपने रहस्य की वजह से अधिक प्रसिद्ध हैं। ऐसा ही एक मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी में है, जहां काल भैरव की विशेष उपासना की जाती है।

प्रसाद में चढ़ता है मदिरा

काल भैरव मंदिर से जुड़ी कई

वाराणसी के काल भैरव मंदिर में करें यह एक काम बढ़ल जाएगी आपकी किस्मत



मान्यताएं प्रचलित हैं। मंदिर के बारे में ऐसा कहा जाता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने के साथ काल भैरव मंदिर के दर्शन न करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है।

मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाने से जातक के जीवन के दुख और संकट दूर होते हैं। साथ ही काल भैरव सभी मुरादें पूरी करते हैं। यहां प्रभु को मदिरा चढ़ाया जाता है और लाल, बैंगनी फूल अर्पित किए जाते हैं।

काला धागा है बेहद फलदायी

ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर से प्रसाद के रूप में मिलने वाला काले धागे को गले और हाथ में धारण करने से गृह क्लेशों की समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में आने वाली सभी बाधाएं जल्द समाप्त होती हैं।

धार्मिक मान्यता है कि काल भैरव का जन्म भगवान शिव की तीसरी आंख से हुआ है। यह मंदिर में अधिक पुराना बताया जाता है। मंदिर का निर्माण कब हुआ। इसके बारे में वास्तव कोई जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन

आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मानना कि लोकतंत्र के विचार की उत्पत्ति पश्चिम से हुई थी, पूर्णतः सत्य नहीं है। लोकतंत्र, भारतीय राजनैतिक व्यवस्था का नैसर्गिक गुण है। भारतीय व्यवस्थाओं में सर्वे से ही मत भिन्नता को सम्मान दिया गया है, राजनैतिक और धार्मिक व्यवस्थाओं में शास्त्रार्थ की परम्परा प्राचीन समय से रही है। भारत में विचारों की अभिव्यक्ति को सभी क्षेत्रों में सम्मान और महत्व प्रदान किया गया। भारत में ऐतिहासिक रूप से भारतीय शासकों के इतिहास से ज्ञात होता है कि उन्होंने कभी अपनी अगली पीढ़ी को राज सत्ता सौंपने का उपक्रम नहीं किया। राज्य के प्रबंधन में लगे लोगों ने ही उनके बाद व्यवस्थाएं संपाली। ऐसे महान शासकों का मानना था कि यदि अगली पीढ़ी में नेतृत्व क्षमता और राज सत्ता के प्रबंधन की दक्षता होगी, तो वे स्वयं इस दिशा में सक्रिय होंगे। इन भारतीय मूल्यों और परम्पराओं का वर्तमान में भी पालन होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की एमएसएमई इकाइयों को 169 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

एमएसएमई इकाइयां औद्योगिक गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र और लाखों परिवारों के स्वावलंबन का हैं आधार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टार्टअप को लगभग 28 लाख से अधिक की अनुदान राशि की प्रथम किस्त भी जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने लघु उद्योग निगम की ओर से 8 करोड़ रूपरे के अंतरिम लाभांश का चैक भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. भूमि और व्यवस्थाओं में सरलता कर, उनकी प्राप्ति की राह को आसान बना रहे हैं। विभाग द्वारा बड़ी राशि का सिंगल क्लिक से सिधे अंतरंग व्यवस्था में सुगमता और स्पष्टता का परिचायक है। पूरे देश में मार्च क्लोजिंग का वातावरण है, ऐसे में राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई इकाइयों और उद्यमियों को राशि और

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में युवा जनप्रतिनिधियों की अहम जिम्मेदारी

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति, समुदाय या क्षेत्र की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, न्याय, समानता और बहुतायत पर आधारित एक व्यापक व्यवस्था है। भारत का लोकतंत्र नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत होता है। उन्होंने बताया साबू 25 वर्ष. भीमराव अंबेडकर के 25 नवंबर 1949 के संविधान सभा के वक्तव्य का उद्धरण

को 169 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र
बन का हैं आधार : मुख्यमंत्री

सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह प्रश्न में नए संकल्पों के साथ नया वित्तीय वर्ष आरंभ करने का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में ही भारत स्वयं को सुस्थिति महसूस करते हुए प्राप्ति पथ पर अग्रसर है। युद्ध के दोनों पक्ष भारत का सहयोग कर रहे हैं, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की कुशल नीतियों से ही संभव है। जहाँ एक ओर विश्व के कई देशों में प्रेडेली-डीजल, गैस की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, वहीं हमारे देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इनके मूल्यों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत समर्थ भी है और समर्थ भी।

मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनता के बीच सक्रिय होने के साथ प्रशासनिककामों में भी निरंतर गतिशील हैं। उनके दृष्टि से भी निरंतर गतिशील हैं। उनके व्यापक और स्पष्ट दृष्टिकोण के परिणाम स्वरूप प्रदेश उद्योग-व्यापार, कृषि, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं। प्रमुख सचिव यादवनेट्र कामकाज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विभाग में डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्थाएँ स्थापित की गई हैं। जिसके परिणामस्वरूप भूमि आवंटन प्रक्रिया का वित्त मिली है। प्रदेश के 25 औद्योगिक क्षेत्रों में विकास कार्य जारी हैं, साथ ही 6 नए औद्योगिक क्षेत्र भी विकसित किए जा चुके हैं। वर्तमान में प्रदेश में 7100 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में

सभी क्षेत्रों में हो रही है प्रगति
- मंत्री श्री काश्यप

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संचालक, उद्यमी और बड़ी संख्या में स्टार्ट-अप्स मौजूद रहे।

श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा ने भी लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए कई कमलपूर्ण पहल की है। पहली बार निर्वाचित विधायकों की शून्यकाल सूचनाओं को प्रार्थमिकता देने तथा प्रश्नकाल से जुड़े उत्तरों की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने जैसे कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाए गए हैं। उन्होंने युवा विधायकों से आह्वान किया कि वे संसदीय परंपराओं, नियमों और प्रक्रियाओं का गंभीर अध्ययन करें, सदनों की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा वरिष्ठ सदस्यों से मार्गदर्शन लेकर अपने ज्ञान और अनुभव को समृद्ध बनाएं। उन्होंने कहा कि अतीत के अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बीच वर्तमान का सशक्त पुल युवा नेतृत्व ही बन सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक
व्यक्त किया कि युवा विधायक
सम्पत्तेल में होने वाले विचार-विमर्श
और संवाद लोकतांत्रिक मूल्यों को
सुदृढ़ करेगे तथा विक्सित भारत
2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की
दश में नई ऊर्जा प्रदान करेगे।

ट्रांसजेंडर के कल्याण के जल गंगा

प्रदेश में अधि

भोपाल (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश राज्य उभयलिंगी कल्याण बोर्ड की बैठक में सोमवार को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि उभयलिंगी समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में प्रदेश में उभयलिङ्गी (ट्रांसजेंडर) वर्ग के कल्याण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की समीक्षा की गई। बैठक में आमामी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव कल्याण नीयत एवं दिवांगमज समसाज्य श्रीमति सोनाली वायंग्यकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि राज्य सरकार उभयलिंगी व्यक्तियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान पत्र एवं परिचय पत्र जारी करने की जिज्ञा स्तर पर प्रगति की समीक्षा की गई और एक प्रस्तुति की और अधिक सरल एवं तेज बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में उपयोजनीय व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया।



अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित हो और वे संसद एवं विधानसभा की

परंपराओं और प्रक्रियाओं को गहन समर्थन रखे। उन्होंने भ्रष्टाचार और सामाजिक-समस्याओं के न्यायपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता तभी बढ़ेगी जब जनप्रतिनिधि ईमानदारी और नैतिकता के साथ अपने कर्तव्यों को निर्वहन करेंगे। अध्यक्ष श्री देवनाजी ने स्वागत

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि विधायक बनने के साथ ही हमारी स्वयं की कई अपेक्षाएँ होती हैं। विधानसभा क्षेत्रवासी भी विधायक को विकास, जनसुविधा और जनकल्याण के कार्यों के लिए बहुत आशा से देखते हैं। विधायक का पद अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए है। विधायक को मुखर करने का प्रभावी माध्यम है। अपने क्षेत्र के लोगों से दिल से जुड़ना और उनके साथ भावनात्मक संबंध बनाना जरूरी है।

को भीष्माका पर भी विशेष बल दिया और कहा कि देश के विकास में युवा शक्ति की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। भारत का वास्तविक विकास तभी संभव है जब समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास के लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकासित भारत का सपना तभी साकार होगा जब समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाए और समाज के प्रतिष्ठत को समान अवसर प्राप्त हो। उन्होंने युवा जनप्रतिनिधियों को प्रेरित करने हुए कहा कि वे निरंतर अध्ययन, अनुभव और संवाद के माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाएं। उन्होंने युवा विधायकों को विधानसभा की बैठकों में अधिक से अधिक भाग लेने तथा विकास के नाम पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचने के लिए प्रेरित किया। श्री सिंधार ने कहा कि युवा वर्ग में यह धारणा बनती जा रही है कि राजनीति बहुत खराब है और वे इस विचार के कारण राजनीति में आने से बच रहे हैं। देश हित और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए इस विचार को बदलने की आवश्यकता है। सम्मेलन के प्रथम दिन रास्थान और छत्तीसगढ़ से आये युवा विधायकों ने अपने विचार साझा किये।

संवर्धन अभियान संबंधी ली बैठक

क से अधिक हों जल संवर्धन

ण के कार्य : मंत्री श्री सिलावट

बाैठक में बताना गया कि जल गंगा संस्तरधन अधिधान के अंगरगत संसल संसाधन विधाया द्वारा मुख्य रूप संस जल संस्रहण स्रोतों के रख-रखाव एवं मरम्मत के अनुरूप अपूर्ण कार्या को पूर्ण करना, निर्मित तालाब की पाल पर मिट्टी के कटाव अथवा अतिवार्षा संस क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में नुपः निर्माण किये जाने, तालाबों की पिचिंग, बोल्डर टो तथा घाट आदि के मरम्मत का कार्य, जल संरचनाओं के किरणारें पर अतिक्रमण को रोकना, सिंफर्न नहर प्रणाली में वास, झाड़ी, छोटें पेड़ पोधे आदि की सफाई का कार्य एवं वृक्षारोपण, शरीर आबादी क्षेत्रों में प्रमुख नहरों का चिन्हांकन व सोमांकन का कार्य, स्टाप डेम बैराज-वीयर के गेट इत्यादि अवस्था की मरम्मत, बांध के प्लस बांध स्लूज बेल की मरम्मत तथा सफाईआदि का कार्य, केचेमट एरिया में अवरोधकों का चिन्हांकन कर उसे हटाना तथा अन्य आवश्यक तकनीकी कार्य आदि काराए जा रहें हैं। अधिकारियों को सभी कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ काराए जाने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने महावीर जयंती पर श्रमण मुनि श्री 108 संभव सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया

भोपाल (राववर्मा)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महावीर जयंती पर श्रमण मुनि श्री 108 संभव सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज द्वारा संयुक्त तत्वाधान में निकाली जा रही भावान महावीर स्वामी की शोभायात्रा का इंतवारा पहुंचकर स्वागत कर यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनि श्री 108 संभव सागर जी महाराज सहित अन्य मुनिगण को श्रीफल भेंट कर उनका अभिवादन किया।

जनप्रतिनिधियों से पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर गंभीरता पूर्वक कार्यवाही करें अधिकारी : कलेक्टर

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर गंभीरता पूर्वक अधिकारी कार्यवाही करें। साथ ही की गई कार्यवाही प्रतिवेदन जनप्रतिनिधियों को भेजकर अवगत कराये।

इस अशय के निर्देश कलेक्टर साकेत मालवीय ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनप्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले पत्रों पर कार्यवाही करते समय सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। कार्यवाही करते समय शासन के निर्देशों एवं विभागीय स्वीकृति हो स्वीकृति के आधार पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधिपत्रों से प्राप्त होने वाले पत्रों का जबाव समय सीमा में प्रस्तुत किया जाए।

उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के अर्द्धशासकीय पत्रों, केन्द्रीय मंत्री के भ्रमण के दौरान प्राप्त पत्रों की समीक्षा, प्रभारी मंत्री से प्राप्त पत्रों की समीक्षा, जिले के विधायकगणों से



प्राप्त पत्रों की विस्तार से समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

उन्होंने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के माह अप्रैल में प्रस्तावित

भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में की जाने वाली तैयारियों हेतु संबंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री द्वारा की जाने वाली जनसुनवाई,

भूमिपूजन एवं शिलान्यास, स्वरोजगार सम्मेलन, बच्चों का स्कूल में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम, जिला चिकित्सालय के नवनिर्मित नवीन भवन का निरीक्षण, दिशा बैठक तथा पीएम

आवास हितग्राहियों का गृह प्रवेश, जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत श्रमदान कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देकर व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक

निर्देश दिये। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्री डी एन सिंह एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

01 अप्रैल से लागू नया सत्र शुरू होते हैं यह निर्देश प्रभावी हो जाएंगे जिसमें स्कूलों को अपनी कक्षावार किताबों और सामग्री की सूची सार्वजनिक करनी होगी ताकि वे बाजार में आसानी से उपलब्ध हो सकें। निजी स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे यथासंभव एनसीआरटी या राज्य बोर्ड की किताबों को ही पाठ्यक्रम में शामिल करें।

विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए पुरानी किताबों के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने की सलाह दी गई है। यदि किसी स्कूल द्वारा इन नियमों का उल्लंघन किया जाता है या पालकों पर दबाव बनाया जाता है, तो शिकायत मिलने पर संबंधित विद्यालय के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सामूहिक वंदे मातरम् का हुआ आयोजन

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। शासन के निर्देशानुसार विशेष चरण कार्यक्रम वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण अभियान के अंतर्गत कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सामूहिक वंदे मातरम् का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए वंदे मातरम् का सामूहिक गायन जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्कूली बच्चों के द्वारा संगीतमय गायन किया गया। साथ ही राष्ट्रगान जन गण मन का भी गायन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर डी एन सिंह, जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

29वीं बटालियन में पदक अलंकरण समारोह एवं विदाई समारोह सम्पन्न

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। 29वीं बटालियन के प्रशासनिक भवन मैन ऑफिस के सभागार में आज सोमवार को पदक अलंकरण समारोह एवं विदाई समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक एवं सेनानी सूरज कुमार वर्मा द्वारा वर्ष 2024 गृहमंत्री भारत सरकार का अति विशिष्ट सेवा मेडल एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेडल पहनाकर अलंकृत किया गया। गृहमंत्री भारत सरकार अति विशेष सेवा मेडल 2024 उप निरीक्षक जगदीश सिंह को उनके सीने पर लगाकर सम्मानित किया। प्रधान आरक्षक 592 अनिल शर्मा एवं आरक्षक 164 भूपेंद्र द्विवेदी को गृहमंत्री भारत सरकार विशिष्ट सेवा मेडल 2024 लगाकर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में वाहिनी से अपनी अर्धवार्षिक आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सहायक उप निरीक्षक चंद्रवली प्रसाद शर्मा, प्रधान आरक्षक आर्मुस 278 राजेंद्र कुमार करोटिया, प्रधान आरक्षक 209 अतर सिंह यादव यह तीनों अधिकारी कर्मचारी अपनी लगभग 40 वर्ष की सेवा पूर्ण कर आज सेवा निवृत्त हुए। सेनानी सूरज कुमार वर्मा द्वारा उनको शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के परिजन भी उपस्थित रहे जिनसे सेनानी सूरज कुमार वर्मा द्वारा बातचीत की गई और उनसे जानकारी ली गई और उनको आश्वासन दिया की आपको जब भी किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो आप बहिनो में आकर अपनी बात कह सकते हैं आपकी समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा क्योंकि यह बहिनो आपका परिवार है। सेनानी सूरज कुमार वर्मा द्वारा सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को जीवन की दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं दी एवं पदक प्राप्त करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क, पार्किंग, निर्भया कैफे और फसाड लाइटिंग पर हुए अहम फैसले

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। स्मार्ट सिटी डवलपमेंट कॉर्पोरेशन की 40वीं बोर्ड बैठक में शहर के अधोसंरचना और सौंदर्यीकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कलेक्टर एवं बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती रुचिका चौहान ने सचिन तेंदुलकर रोड के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इस सड़क के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार कर उसे मूर्तरूप दें। निर्भया कैफे की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर कार्य शुरू करने, मल्टीलेवल पार्किंग के संचालन से पहले महाराज बाड़ा क्षेत्र में आने वाले वाहनों की संख्या सहित ट्रैफिक सर्वे कराने तथा फसाड लाइटिंग परियोजना का विस्तार करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

सोमवार को मोतीमहल स्थित स्मार्ट सिटी सभागार में आयोजित बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं एवं डिपॉजिट वर्क की शेष राशि से प्रस्तावित नई परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में आईएसबीटी पर प्रस्तावित कमर्शियल कॉम्पलेक्स, कन्वेंशन सेंटर में अतिरिक्त कार्य, नगर निगम म्यूजियम के जीर्णोद्धार, फसाड



लाइटिंग के विस्तार, जल संरक्षण और ट्रैफिक सुधार जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कन्वेंशन सेंटर के पीछे प्रस्तावित बैंक्रेट हॉल के डिजाइन पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इसमें जल निकासी सहित सभी आवश्यक प्रावधान शामिल कर संशोधित डिजाइन प्रस्तुत करें। जिन हैरिटेज इमारतों पर कार्य की अनुमति प्राप्त हो चुकी है वहां पर जल्द से जल्द फसाड लाइटिंग का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि तानसेन समाधि एवं मोहम्मद गौस के मकबरे को छोड़कर अन्य स्थलों के लिए आवश्यक अनुमतियाँ

प्राप्त हो चुकी हैं। मल्टीलेवल कार पार्किंग के संचालन एवं रख-रखाव (O&M) के संबंध में कलेक्टर ने विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाराज बाड़ा क्षेत्र में प्रतिदिन आने वाले वाहनों का ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त सर्वे कराया जाए और प्रोपेडव मंथली पास जैसी सुविधाओं को निविदा में अवश्य शामिल किया जाए। बैठक में शहर की पुरानी बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा भी की गई। उपनगर ग्वालियर, ग्वालियर दक्षिण और ग्वालियर पूर्व में एक-एक बावड़ी का कार्य लगभग पूर्ण होने पर कलेक्टर ने इन बावड़ियों के शीघ्र पूर्णता

प्रमाण-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी के तहत लगाए गए सीसीटीवी एवं पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम के संबंध में बताया गया कि यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है। अब गलत दिशा में आने वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई शुरू की जाएगी, जिसे बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की। बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संघप्रिय, बोर्ड के अन्य सदस्य एवं संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश कृष्णकांत कुंशवाह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बोर्ड के सदस्य प्रशांत मेहता वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती, चार प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

गुना (राघवकीर्ति)। घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और व्यावसायिक दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त अभियान शुरू किया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सोमवार को शहर के कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।

जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडेय के निर्देशन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी की टीम ने महावीर स्वीट्स (नई सड़क), श्री राम चाट भंडार, गोलू ग्वाल (ख्यावदा चौराहा) और पीताम्बर कचौड़ी (तेलघानी) पर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान इन प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया। संबंधित संचालक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके चलते चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किए गए। इन सभी के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश 2000 के तहत कार्रवाई की गई है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में रबी उर्पाजन समीक्षा बैठक आयोजित



अशोक नगर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गेहूं उर्पाजन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री मालवीय ने निर्देश दिए कि उन्होंने गेहूं उर्पाजन हेतु किसानों के पंजीयन एवं सत्यापन का कार्य समस्त एसडीएम द्वारा शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उर्पाजन केन्द्रों पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं किसानों के लिए उपलब्ध रहे, इस हेतु उर्पाजन केन्द्रों का नोडल

अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि गेहूं खरीदी केन्द्रों का सुजन कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं, शौचालय, पेयजल, शेड, प्रतीक्षालय गृह की व्यवस्थाएं उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। खरीदी केन्द्रों पर ऑपरेंटर का चिन्हांकन एवं लिस्टिंग अपडेट रखी जाए। किसान की उर्पाज की तुलनाई की बाद तत्काल पावदी की रसीद दी जाए। परिवहन हेतु समुचित व्यवस्था समय पर की जाए। खरीदी केन्द्रों की

मैपिंग पूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया कि गेहूं उर्पाजन के कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने निर्देशित किया वर्ष 2026-27 में गेहूं उर्पाजन का कार्य पूर्ण रूप से व्यवस्थित तरीके से हो। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अपर कलेक्टर डी. एन. सिंह, संयुक्त कलेक्टर बृजविहारीलाल श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

॥ जय गणेश ॥

'स्वस्तिनोऽस्तुभयं नोऽस्तु'

ॐ

॥ राघवकीर्ति ॥

“हमारा एक परामर्श, संवारेगा आपका भविष्य”

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी रत्नों के लिए विश्वसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए रज्ज/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

ज्योतिष, वास्तुविद्, तंत्र विशेषज्ञ और पुराण प्रवक्ता

प्रमुख महागणपति आध्यात्मिक मिशन

राष्ट्रीय संयोजक भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)

राष्ट्रीय अध्यक्ष गण सेना (फाउण्डेशन)

9755910000

(कृपया मैसेंजर से पूर्व समय लें)

www.jyotishvastu.com

WhatsApp : 9479319999

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

- उपलब्धता -

उज्जैन • इंदौर • मोपाल • बैंगलोर • चैन्नई • हैदराबाद • मुम्बई • नई दिल्ली • अहमदाबाद • जयपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप युवा 2 माह की ट्रेनिंग के बाद पाए नौकरी : कलेक्टर श्री सिंह

tkarshUjjain.com पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उद्योगों में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 अंतर्गत आईटीआई उज्जैन में नए युग के कोर्स आर्टिफिशल इंटेलिजनेस (AI), रोबोटिक्स, ड्रोन, 3D प्रिंटिंग और वेब 3.0 जैसी आधुनिक तकनीकों की शिक्षा प्रदान की जा रही है

उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार दोपहर प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जिले में युवाओं को ट्रेनिंग देकर रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में UtkarshUjjain.com पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उद्योगों में रोजगार सुनिश्चित करने के लिए एमपीआईडीसी, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, डीआईसी आदि को समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि UtkarshUjjain.com पर 12 वीं पास किए हुए आवेदक 02 माह के प्रशिक्षण और मूल्यांकन उपरांत सोलर इंडस्ट्री में और 10 वीं पास आवेदक 02 माह के प्रशिक्षण और मूल्यांकन उपरांत गारमेंट इंडस्ट्री में

रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग समन्वय कर युवाओं को इंडस्ट्रीयल एक्सपोजर देकर ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रदान करने पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर श्री सिंह ने आईटीआई में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 अंतर्गत आईटीआई उज्जैन में नए युग के कोर्स आर्टिफिशल इंटेलिजनेस (AI), रोबोटिक्स, ड्रोन, 3D प्रिंटिंग और वेब 3.0 जैसी आधुनिक तकनीकों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर युवाओं की वैश्विक मार्केट के अनुसार स्किल सेट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि संभागीय आईटीआई उज्जैन द्वारा हब एंड स्पोक मॉडल के तहत शासकीय पॉलिटेक्निक के छात्रों को 2 एवं 4 सप्ताह की अवधि के हेंड्स ऑन ट्रेनिंग एवं सीएनसी मशीन पर प्रोग्रामिंग सीखा कर स्किल प्रेक्टिस के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। क्वेस्ट अलाइंस एनजीओ संस्था के साथ समन्वय कर छात्रों को साफ्ट



स्किल का प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विगत दिवस आईटीआई के छात्र का बैंगलुरु में कंपस प्लेसमेंट भी हुआ है। इंडस्ट्री एकेडमी लिंकन के लिए संभागीय आईटीआई उज्जैन

और लघुउद्योग भारती के मध्य विगत 09 मार्च को समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। इससे आईटीआई छात्रों को इंडस्ट्रीयल एक्सपोजर के लिए अप्रेंटिसशिप, इंटरशिप और इंडस्ट्री में प्लेसमेंट में

सहायता होगी, साथ ही आईटीआई के आधुनिकरण में सहायता प्राप्त होगी। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025-26 में 10 रोजगार, स्वरोजगार युवा संगम मेलों में 1779 आवेदकों का रोजगार के लिए

प्रारंभिक चयन, 214 छात्रों को अप्रेंटिसशिप का अवसर प्राप्त हुआ है और 2313 आवेदकों को स्वरोजगार प्राप्त हुआ है। बैठक में संभागीय आईटीआई प्राचार्य विवेक मिश्रा, महाप्रबंधक

जिला उद्योग केंद्र, उपसंचालक कृषि, उपसंचालक उद्यानिकी, जिला रोजगार अधिकारी, एलडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं

अल्पसंख्यक कल्याण, जिला श्रम अधिकारी, जिला अधिकारी सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण, जिला संयोजक आदिम जाति, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, ईई एमपीआईडीसी आदि उपस्थित रहे।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन

पेंशनर्स से 4% अंशदान लिए जाने का प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा विरोध

उज्जैन (राधवकीर्ति)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित नई कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना की प्रशंसा की है लेकिन इसके अंतर्गत पेंशनर्स से 4% अंशदान लिए जाने के निर्णय का प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला उज्जैन द्वारा कड़ा विरोध किया गया है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशनर्स पहले से ही सीमित आय में अपना जीवनयापन कर रहे हैं, ऐसे में उनसे 4% की दर से अंशदान लेना न्यायोचित नहीं है। यह निर्णय पेंशनभोगियों पर



अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला है। संघ के जिला अध्यक्ष अशोक दुबे, जिला सचिव चंद्रशेखर जोशी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोहनलाल

पण्ड्या ने संयुक्त रूप से बताया कि कर्मचारियों से मात्र 1% अंशदान लिया जाना और पेंशनर्स पर 4% का भार डालना पूर्णतः असमानता एवं अन्यायपूर्ण है। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने शासन से मांग की है कि पेंशनर्स से लिए जाने वाले अंशदान को तत्काल घटाकर 1% किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके और योजना का लाभ बने। आर्थिक दबाव के प्राप्ति हो सके। यह जानकारी संघ के मीडिया प्रभारी डॉ. स्वामीनाथन पांडेय द्वारा दी गई।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन

प्रान्ताध्यक्ष को उप मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री ने चर्चा के लिए किया आश्वस्त

छतरपुर (राधवकीर्ति)। हमारे जुझारू कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष एच पी उर्मलिया ने कल दिनांक 29 मार्च 2026 को जबलपुर सर्किट हाउस में एक विशेष प्रतिनिधिमंडल के साथ म प्र के उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री माननीय जगदीश देवड़ा से सौजन्य भेंट कर पेंशनर्स की मुख्य समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और अवगत कराया कि बार बार निवेदन/ग्यापन के बाद भी म प्र शासन द्वारा इन समस्याओं पर सार्थक चर्चा के लिए पहल न करने के कारण, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन को मजबूर होकर दिनांक 16 अप्रैल 2026 को राजधानी भोपाल में धरना-प्रदर्शन का निर्णय लेने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

माननीय उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री श्री देवड़ा ने सहृदयता पूर्वक हमारे कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष श्री उर्मलिया को आश्चस्त किया कि मेरे भोपाल पहुंचते ही यथाशीघ्र आपके 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को उक्त संबंध में अधिकृत चर्चा के लिए आमंत्रित किया जावेगा और उन्होंने आश्चस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार से संपर्क कर राज्य बटवारे की धारा 49 को विलोपित कराने की सार्थक पहल की जावेगी। प्रान्ताध्यक्ष श्याम जोशी ने और संपूर्ण प्रांतीय कार्यकारिणी ने विषम शारीरिक परिस्थिति के बाद भी वाकर के सहारे श्री देवड़ा के साथ इस सौजन्य भेंट के लिए श्री उर्मलिया को हार्दिक बधाई दी है।



मध्यप्रदेश विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अधिवेशन का भव्य आयोजन



स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय रामचन्द्र रघुवंशी काकाजी

उज्जैन (राधवकीर्ति)। इस वर्ष का राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड पद्मश्री सुशील दोषी को मालवा के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी, लेखक, पत्रकार रामचन्द्र रघुवंशी काकाजी की स्मृति में 4 अप्रैल शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय क्रांतिवीर अलंकरण समारोह में 28वां राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड पद्मश्री सुशील दोषी को दिया जायेगा। 28वें राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड की विस्तृत जानकारी देते हुए संयोजक द्वय डॉ. प्रकाश रघुवंशी एवं ओमप्रकाश खत्री ने बताया कि राष्ट्रीय चेतना के भाव को जगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सुशील दोषी ने भारत के खेल जगत में राष्ट्र को ऊँचाईयों की ओर ले जाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। क्रिकेट खेल की भारत में सबसे प्रथम हिन्दी में कमेंट्री कर क्रिकेट को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, जो अविस्मरणीय है। भारतवासी इस कार्य को सदैव स्मरण करते रहेंगे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामचन्द्र रघुवंशी स्मरण समिति ने इस वर्ष श्री दोषी को राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाला व्यक्तित्व इस अलंकरण का हकदार पुस्कंर अभिनन्दित कैलाश सत्यार्थी, समाजसेवी मेधा पाटकर, पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद जी, डॉ. बिन्देश्वरी पाठक, डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित देश की ख्यातीमान हस्तियों को क्रांतिवीर अलंकरण से सम्मानित करते आये हैं। कार्यक्रम का आयोजन इस वर्ष भरतपुरी महाधेता नगर स्थित सामाजिक शोध संस्थान में शनिवार, 4 अप्रैल 2026 को सायं 6.30 से गोधुली बेला में किया जायेगा।

महाशक्ति का सामना कर शांति का संदेश देता नाटक 'हड़्डी' का मंचन

19 दिवसीय नवांकुर नाट्य-नृत्य कार्यशाला का समापन, बाल कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

उज्जैन (राधवकीर्ति)। बच्चों में रंगकर्म के संस्कार रोपित करने के उद्देश्य से सिंधु प्रवाह अकादमी द्वारा कालिदास अकादमी के पंडित सूर्यनारायण व्यास संकुल में रविवार को सुप्रसिद्ध नाटककार असगर वजाहत रचित नाटक 'हड़्डी' और विभिन्न आकर्षक नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। यह आयोजन अकादमी की 19 दिवसीय नवांकुर नाट्य-नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर हुआ। समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता रूप पमनानी, कालिदास संस्कृत अकादमी के निदेशक गोविंद गंधे, मालवी बोली के मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया और वरिष्ठ शिक्षाविद् चिमनदास लखानी बतौर अतिथि उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष



कुमार किशन ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि संचालन और आभार प्रदर्शन संस्था उपाध्यक्ष डॉ. पल्लवी किशन ने किया। संस्था के कोषाध्यक्ष राजकुमार परसवानी ने बताया कि 11 से 29 मार्च तक आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में नाटक का प्रशिक्षण

कुमार किशन और नृत्य का प्रशिक्षण डॉ. पल्लवी किशन द्वारा दिया गया। मंच संयोजन विजय भागचंदानी का रहा। इस अवसर पर संस्कार भारती के जिला महामंत्री संजय शर्मा, नगर अध्यक्ष माया बधेका, सुंदरलाल मालवीय, रवींद्र देवलेकर, शीला व्यास, नरेंद्र सबनानी और सुदर्शन आयाचित सहित शहर के कई वरिष्ठ

की भूमिका शान्तनु भागचंदानी, परी की परिधि उत्तमानी और बड़े चूहे की भूमिका कुणाल खत्री ने निभाई। अन्य चूहों के किरदार में स्तुति खत्री, चिराग सामदानी, चिराग तोलानी, देवेशी चौहान, यशस्वी लुधरानी, तुषा गंगवानी, दक्ष उत्तमानी, रिया तारवानी, अनमोल जयसिंधानी, हिमांशी राठौर, आर्ना परचानी, मोही

को भूमिका शान्तनु भागचंदानी, परी की परिधि उत्तमानी और बड़े चूहे की भूमिका कुणाल खत्री ने निभाई। अन्य चूहों के किरदार में स्तुति खत्री, चिराग सामदानी, चिराग तोलानी, देवेशी चौहान, यशस्वी लुधरानी, तुषा गंगवानी, दक्ष उत्तमानी, रिया तारवानी, अनमोल जयसिंधानी, हिमांशी राठौर, आर्ना परचानी, मोही

को भूमिका शान्तनु भागचंदानी, परी की परिधि उत्तमानी और बड़े चूहे की भूमिका कुणाल खत्री ने निभाई। अन्य चूहों के किरदार में स्तुति खत्री, चिराग सामदानी, चिराग तोलानी, देवेशी चौहान, यशस्वी लुधरानी, तुषा गंगवानी, दक्ष उत्तमानी, रिया तारवानी, अनमोल जयसिंधानी, हिमांशी राठौर, आर्ना परचानी, मोही

31 मार्च तक दी जारी विशेष छूट का आज अंतिम दिवस

उज्जैन (राधवकीर्ति)। शासन निर्देशानुसार बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा कराने पर नेशनल लोक अदालत के तहत अधिभार (सरचार्ज) में दी जाने वाली विशेष छूट का प्रावधान 31 मार्च 2026 तक किया गया है। छूट का लाभ प्राप्त करने में अब अंतिम 01 दिन शेष है करदाता आज ही अपना बकाया संपत्तिकर जमा कर छूट का लाभ प्राप्त करें। नेशनल लोक अदालत में संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपये से अधिक तथा एक लाख रुपये तक है उनमें 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर तथा अधिभार की राशि 1 लाख रुपये से अधिक बकाया है उसमें अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी।

‘आपदा पूर्व तैयारी में इंदौर बना अग्रणी - 250 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण’

इंदौर (राघवकीर्ति)। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के सभागार में आज ‘भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम’ के अंतर्गत एक दिवसीय Awareness and Capacity Building Workshop का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजागरूकता, जनसहभागिता एवं प्रशासनिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। यह कार्यक्रम कलेक्टर शिवम वर्मा के दिशा निर्देशानुसार आयोजित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए 250 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा संवादात्मक सत्रों के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्लाटून कमांडर अश्विन चौधरी, सुमित खरे



एवं दीपेश पाटीदार द्वारा रेल दुर्घटना, सर्पदंश, भूकंप, अग्निकांड तथा हाल ही में इंदौर में घटित ईवी (EV) घटनाओं से संबंधित सावधानियों पर विस्तार से जानकारी

दी गई। साथ ही ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लू एवं हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को

आपदा प्रबंधन उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया, जिससे उनकी व्यावहारिक समझ को सुदृढ़ किया गया। यह आयोजन केवल शैक्षणिक गतिविधि तक सीमित न रहकर

सामाजिक सरोकारों से जुड़ा एक व्यापक जनअभियान सिद्ध हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट सुमत जैन के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं जिला

आपदा प्रबंधन प्रभारी चरणजीत सिंह हुड्डा (डिप्टी कलेक्टर, इंदौर) की उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रशासनिक विश्वसनीयता प्रदान की। उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों की

सक्रिय सहभागिता इस आयोजन की जनअपील एवं सार्वजनिक महत्व को दर्शाती है। यह कार्यशाला ‘समाज, शिक्षा एवं प्रशासन के त्रिकोणीय समन्वय’ का सशक्त

उदाहरण बनकर उभरी है तथा इंदौर जिले में आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन की दिशा में एक अनुकरणीय पहल के रूप में स्थापित हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वाराणसी में आज एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन में होंगे शामिल

दोनों राज्यों की साझेदारी से बनेगा नया आर्थिक परिदृश्य, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का करेंगे अध्ययन भ्रमण

विक्रमोत्सव महानाट्य मंचन की तैयारियों का लेंगे जायजा

इंदौर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वाराणसी में आयोजित ‘एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026’ में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, पारंपरिक शिल्प, ओडीओपी और जीआई टैग उत्पादों, कृषि एवं खाद्य उत्पादों, निवेश अवसरों और पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच पर प्रस्तुत करेंगे। इस सम्मेलन में दोनों राज्यों की प्रमुख ताकतें एक साथ सामने आएंगी और उत्पादन, बाजार तथा पहचान से जुड़े विभिन्न आयामों पर केंद्रित संवाद स्थापित होगा। सम्मेलन में उद्योग, शिल्प, निवेश और पर्यटन से जुड़े हितधारक एकत्रित होंगे, जहां व्यावहारिक सहयोग, बाजार विस्तार और साझा पहल पर चर्चा का स्पष्ट स्वरूप दिखाई देगा।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की



वाराणसी यात्रा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां तीर्थ क्षेत्र में विकसित क्राउड प्लो मैनेजमेंट, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया जाएगा। यह अनुभव धार्मिक पर्यटन स्थलों के सुखवस्थित विकास और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली को समझने का आधार बनेगा।

इसके बाद एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन स्थल पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया जाएगा, जिसमें मध्यप्रदेश के ओडीओपी उत्पाद, जीआई टैग हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र, औद्योगिक क्षमताएं और पर्यटन संभावनाएं प्रदर्शित होंगी। यह प्रदर्शनी राज्य की आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता को एक ही मंच पर प्रस्तुत करते हुए निवेशकों और प्रतिभागियों

को प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का कार्य करेगी। सम्मेलन के मुख्य सत्र में निवेश, औद्योगिक सहयोग और आधारित अर्थव्यवस्था पर केंद्रित चर्चा होगी, जहां मध्यप्रदेश की निवेश - अनुकूल नीतियों, अधोसंरचना और प्रोत्साहन तंत्र को प्रस्तुत किया जाएगा। इसी सत्र में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग को औपचारिक रूप दिया जाएगा।

ओडीओपी उत्पादों का आदान-प्रदान स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आएगा। दोपहर पश्चात नेटवर्केशन सत्र में उद्योग जगत, निवेशकों और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद स्थापित होगा, जिससे संभावित निवेश और साझेदारियों को गति मिलेगी और यह सम्मेलन वास्तविक व्यावसायिक अवसरों से जुड़ता हुआ दिखाई देगा।

समानांतर सत्रों में सहयोग के व्यावहारिक आयामों को विस्तार दिया

जाएगा। संयुक्त शिल्प कार्यशाला में मध्यप्रदेश के चंदेरी और महेश्वरी शिल्पकार उत्तरप्रदेश के बनारसी सिल्क कारीगरों के साथ साझा ब्रांडिंग, बाजार विस्तार और ‘गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर’ की अवधारणा पर कार्य करेंगे, जिससे पारंपरिक शिल्प को नए बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में ठोस पहल होगी।

टूरिज्म राउंड टेबल मीटिंग

टूरिज्म राउंड टेबल में वाराणसी, उज्जैन और चित्रकूट को जोड़ते हुए एक संयुक्त धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस प्रक्रिया में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन सहित प्रमुख हितधारकों की सहभागिता से पर्यटन को संगठित और विस्तारित स्वरूप देने की दिशा में सहमति बनेगी।

विक्रमोत्सव महानाट्य मंचन के स्थल का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वाराणसी के बी.एल.उब्ल्यू मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक होने वाले महानाट्य विक्रमोत्सव के कार्यक्रम स्थल का मुआयना भी करेंगे।

इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य एक अप्रैल के बजाय 10 अप्रैल से होगा प्रारंभ

इंदौर (राघवकीर्ति)। राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तिथियों में संशोधन किया गया है। जारी निर्देशानुसार इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में अब समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। पूर्व में इन संभागों में खरीदी कार्य एक अप्रैल से शुरू किया जाना प्रस्तावित था। इसके अतिरिक्त उपरोक्त संभागों को छोड़कर प्रदेश के अन्य सभी संभागों में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी वर्मा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

इंदौर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्यामजी कृष्ण वर्मा की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वर्मा ने लंदन में इंडियन होमरूल सोसाइटी, इंडिया हाऊस संगठनों की स्थापना की और पत्रिका ‘द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट’ के माध्यम से वैश्विक पटल पर भारत की स्वतंत्रता का पक्ष पूरी मजबूती से रखा।

एमपी ट्रांसको में नई पहल सबस्टेशन मेंटेनेंस के लिए 36 फीट ऊँचाई तक कार्य करने वाला मैन लिफ्टर इन-हाउस डिज़ाइन व निर्मित

इंदौर (राघवकीर्ति)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने पारेषण कार्यों में नवाचार और सुरक्षा को दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एमपी ट्रांसको द्वारा सबस्टेशनों में मेंटेनेंस कार्यों के लिए 36 फीट तक ऊँचाई पर काम करने में सक्षम एक मैन लिफ्टर का सफलतापूर्वक डिज़ाइन एवं निर्माण इन-हाउस किया गया है।

यह अभिनव ‘मैन लिफ्टर’ विशेष रूप से सबस्टेशनों में स्थापित ऊँचाई पर स्थित उपकरणों के सुरक्षित , कुशल और समयबद्ध रखरखाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस उपकरण की सहायता से मेंटेनेंस स्टाफ अब ऊँचे स्ट्रक्टर, इंसुलेटर, बस बार तथा अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों तक आसानी से पहुँच सकता है। इससे स्केफोल्डिंग या लेडर के उपयोग की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी, जिससे जोखिम और श्रम दोनों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मात्र 39 हजार में तैयार

सबस्टेशन में ही उपलब्ध स्कैप



मैटेरियल और बाहर से न्यूनतम सामग्री खरीद कर इस लिफ्टर को तैयार किया गया है। बाजार में इस लिफ्टर की कीमत ढाई लाख रुपये से प्रारंभ होती है पर इसे सिर्फ 39000 रुपये में इन हाउस ही तैयार कर लिया गया।

इनका रस योगदान

इन हाउस लिफ्टर तैयार करने में सागर के अधीक्षण अभियंता एम वाय मंसूरी, के मार्गदर्शन में टीकमगढ़ के कार्यपालन अभियंता आर पी कान्यकुब्ज,सहायक अभियंता जी पी

राय का उल्लेखनीय योगदान रहा। मेंटेनेंस की दक्षता में होगी बढ़ोतरी

यह नवाचार कार्यस्थल की सुरक्षा को बढ़ाने के साथ, मेंटेनेंस कार्यों की दक्षता में सुधार करेगा तथा परम्पत के दौरान होने वाले डाउनटाइम को भी कम करेगा। स्थानीय स्तर पर डिज़ाइन कर तैयार किया गया यह मैन लिफ्टर एमपी ट्रांसको की इन-हाउस नवाचार क्षमता का उदाहरण है।

समाधान योजना में 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफी का अंतिम दिन आज

अब तक इंदौर, खरगोन, उज्जैन जिले में सबसे ज्यादा उपभोक्ताओं ने ली छूट

इंदौर (राघवकीर्ति)। मप्र शासन ऊर्जा विभाग की तीन माह या अधिक समय के बकाया बिजली बिलों के उचित व छूट देने के संबंध में 31 मार्च तक लागू समाधान योजना से सबसे ज्यादा इंदौर जिले के करीब 96 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए

हैं। दूसरे क्रम पर खरगोन जिले के 93 000 उपभोक्ता, तीसरे क्रम पर उज्जैन जिले के 92000 उपभोक्ता, रतलाम जिले के 78600, मंदसौर जिले के 70500 उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। अधिकारिक जानकारी अनुसार मार्च अंत तक

जारी समाधान योजना अंतर्गत 50 से 90 प्रतिशत तक छूट पात्रतानुसार प्राप्त की जा सकती है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से समाधान योजना का लाभ लेने की अपील की है।

इंदौर (राघवकीर्ति)। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम, खंडवा, बैतुल समस्त मध्य प्रदेश और पूरे देश-विदेश की दीर्घ-प्रतीक्षित मनोकामना थी कि एलुमनी अध्यक्ष भोपाल से हों। हमारे अपने, जन-जन के परिचित हिमांशु जोशी, 1989 बैच, को चुनने का सुनहरा अवसर मिला

है। सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं जाने-माने डीप-AI स्टार्टअप उद्यमी जिन्होंने 2023-26 के पिछले कार्यकाल में एलुमनी, MANIT और छात्रों के लिए अभूतपूर्व कार्य किए—ह्र साल देश-विदेश के 22-25 शहरों में एलुमनी मीट आयोजित कर गौरव और एकजुटता बढ़ाई, कैपस प्लेसमेंट



90% तक ले जाने के लिए अनेक कंपनियों को प्रेरित किया, प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों द्वारा लगभग 26 मेंटरिंग सत्र चलवाए, NIRF रैंकिंग के लिए AICTE तक पहल की, और करोड़ों के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट लाए। जोशी बास Gen X (196-1980), Millennials

(1981-1996), Gen Z (1997-2012) और Gen Alpha (2013-mid 2020s) सभी से जुड़े हुए हैं। उनके पास एलुमनी और छात्रों के लिए ठोस भविष्य-योजनाएँ हैं। आइए, सुप्रसिद्ध, अनुभवी, कर्मठ भोपाल के हिमांशु जोशी बास को भारी बहुमत से जिताएँ।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

हर पल हमें तरफ चौकस निगाहें-ताज़ातरीन खबरें

www.raghavkirti.news

WhatsApp 9755910000